(c) Suggestions were made on various usages of geo-synthetics in construction of payment, embankment and protection works and on reduction in duty, etc.

(d) and (e) Such usages have already been made on a limited scale due to high cost of geo-synthetics.

दिल्ली से सिरसा तक राष्ट्रीय राजमार्ग सं० 10 को चार लेन वाला बनाने के लिए राशि

4231. **श्री रामजीलाल:** क्या जल-भूतल परिवहन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) दिल्ली से सिरसा, वाया हिसार के राष्ट्रीय राजमार्ग सं० 10 को चार लेन वाला बनाने के लिए चालू वर्ष के बजट में कितनी राशि उपलब्ध करवाई गई है;

(ख) यदि हां, तो इस कार्य के कब तक पूरा किये जाने की संभावना है;

(ग) क्या बजट में उक्त प्रावधान राष्ट्रीय राजमार्ग सं० 10 के लिए पर्याप्त नहीं है; और

(घ) यदि हां, तो उसके क्या कारण हैं?

जल-भूतल परिवहन मंत्री (श्री टी०जी०वेंकटरामन): (क) से (घ) हरियाणा में राष्ट्रीय राजमार्गों के विकास के लिए 11.00 करोड़ रु० की राशि निर्धारित की गई है। निधियों का आबंटन राज्यवार किया जाता है न कि परियोजना-वार। दिल्ली से सिरसा तक राष्ट्रीय राजमार्ग 10 को चार लेन का बनाए जाने से संबंधित स्थिति इस प्रकार है:—

(i) दिल्ली और बहादुरगढ़ के बीच का खंड पहले से ही चार लेन का है।

(ii) 1997-98 की योजना में हरियाणा में रा०रा०—10 को बहादुरगढ़ से सिरसा तक चार लेन का बनाने का कोई प्रस्ताव नहीं है।

उत्तर प्रदेश में राष्ट्रीय राजमार्गों की दुर्दशा

4232. **श्री चरेन्द्र मोहन:** क्या जल-भूतल परिवहन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार को उत्तर प्रदेश में राष्ट्रीय राजमार्गों की दुर्दशा के बारे में जानकारी है;

(ख) क्या सरकार ने उत्तर प्रदेश में सरकार को इस संबंध में कोई आदेश या निदेश जारी किये हैं;

(ग) उत्तर प्रदेश में राष्ट्रीय राजमार्गों के रख-रखाव पर खर्च की गई कुल राशि कितनी है तथा वे स्थान कौन से हैं, जहां यह राशि खर्च की गई है; और

(घ) क्या यह सुनिश्चित करने के लिये कि राशि ठीक प्रकार से खर्च की गई, कोई जांच कराई गई है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

जल-भूतल परिवहन मंत्री (श्री टी०जी० वेंकटरामन): (क) और (ख) जी नहीं। उपलब्ध निधियों के अंतर्गत सभी राष्ट्रीय राजमार्गों को यातायात योग्य स्थिति में रखा जा रहा है। राष्ट्रीय राजमार्गों को यातायात योग्य स्थिति में रखने के लिए उत्तर प्रदेश सरकार को समय-समय पर निर्देश दिए गए हैं/दिए जा रहे हैं।

(ग) राष्ट्रीय राजमार्गों के रख-रखाव और मरम्मत के लिए उत्तर प्रदेश को वर्ष 1995-97 के लिए 3377.40 लाख रु० आबंटित किए गए हैं जिसका पूर्णतः उपयोग कर लिया गया है।

(घ) राज्य सरकार ने किसी अनियमितता की कोई सूचना नहीं दी है, इसलिए जांच का प्रश्न ही नहीं उठता।

Fuel saving by concrete roads

4233. DR. ALLADI P. RAJKUMAR: Will the Minister of SURFACE TRANSPORT be pleased to state:

(a) whether concrete roads can save 20% fuel as experimented by the Central Road Research Institute, National highway Authority of India etc. in Palwal recently; and

(b) if so, the plans envisaged for concretisation of all National Highways to save fuel?

THE MINISTER OF SURFACE TRANSPORT (SHRI T.G. VENKATRAMAN): (a) It is not possible to make a general statement regarding saving in fuel on the basis of limited experiments. Government has not sponsored any exhaustive study on this aspect.

(b) As initial investment on concrete roads are much higher compared to bituminous roads, concrete pavements have been taken up only on selective basis.

1996-97 में केन्द्रीय सड़क निधि योजना के अन्तर्गत निर्माण कार्य

4234. **श्री अजीत जोगी:** क्या **जल-भूतल परिवहन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) उन सड़कों, निर्माण परियोजनाओं की संख्या कितनी है, जिनके लिए वर्ष 1996-97 में केन्द्रीय सड़क निधि योजना के अन्तर्गत स्वीकृति दी गयी;

(ख) इनमें से कितनी परियोजनाएं पूरी कर ली गयी हैं, और उन पर कितनी राशि खर्च की गई है;

(ग) शेष कार्यों को अब तक पूरा न किये जाने के क्या कारण हैं; और

(घ) शेष कार्य के कब तक पूरा होने की संभावना है-तथा इस पर कितनी राशि खर्च होने का अनुमान है?

जल-भूतल परिवहन मंत्री (श्री टी॰जी॰ वेंकटरामन): (क) वर्ष 1996-97 के दौरान केन्द्रीय सड़क निधि स्कीमों के तहत देश में चार सड़क निर्माण कार्य संस्वीकृत किए गए थे।

(ख) से (घ) राज्यों को निधियां वर्ष के दौरान मोटरस्पिरिट की वास्तविक खपत और संसाधनों की समग्र उपलब्धता के आधार पर एक मुश्त रूप से आंबटित की जाती है न कि कार्यवार। केन्द्रीय सड़क निधि के तहत संस्वीकृत विभिन्न कार्यों के निष्पादन की जिम्मेदारी संबंधित राज्य सरकारों की है।

Tenders for Studies on Four-Laning of National Highways

4235. SHRI VEDPRAKASH P. GOYAL: Will the Minister of SURFACE TRANSPORT be pleased to state:

(a) whether Government have decided to float Global Tenders for conducting feasibility studies on the four-laning of the Goldern-Quadrangle involving National Highways connecting Delhi, Calcutta, Mumbai and Chennai at a cost of Rs. 100 crores as fees;

(b) whether Government have considered the use of expertise available in its own institutions such as Central Road Research Institute and other related organisations;

(c) if not, the reasons therefor; and

(d) whether Government propose to extend the financial support to the institutions like C.R.R.I. in order to avail expertise abroad, which would also upgrade their know-how?

THE MINISTER OF SURFACE TRANSPORT (SHRI T. G. VENKATRAMAN): (a) Feasibility studies are being initiated by National Highways Authority of India (NHAI) for taking up four laning of National Highways connecting Delhi, Calcutta, Chennai and Mumbai through competitive bidding.

(b) and (c) As per the normal practice, these studies are proposed to be taken up through qualified domestic/international consultants, who can avail of the expertise in Central Road Research Institute.

(d) No, Sir.

New National Highways in Gujarat

4236. SHRIMATI URMILABEN CHIMANBHAI PATEL: Will the Minister of SURFACE TRANSPORT be pleased to state;

(a) whether it is a fact that the length of National Highway in Gujarat is 1569 kms against the target length of 3600 kms. based on the survey programme for 1961 to 1981;

(b) if so, the details thereof; and

(c) if so, the details of programme for construction of new National Highways in the State on the basis of 1961—1981 plan proposed to be completed?

THE MINISTER OF SURFACE TRANSPORT (SHRI T.S. VENKATRAMAN): (a) to (c) Due to severe constraint of resources for